8-2/CSU/Acd/Misc./2020-21/36

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
CENTRAL SANKSRIT UNIVERSITY
जनकपुरी, नई दिल्ली
JANAKPURI, NEW DELHI-110058

दिनांक 22.04.2022

विज्ञप्ति

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, आज की तारीख में हर प्रकार की शैक्षिक आधुनिकता को आत्मसात् करते हुए नवशिक्षायुग में प्रवेश कर चुका है और आगामी सत्र से राष्ट्रिय शिक्षानीति 2020 का क्रियान्वयन करने जा रहा है। जैसा कि विदित है, यह विश्वविद्यालय पहले राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (1970-2002), बाद में मानित विश्वविद्यालय (2002-2020) और 30 अप्रैल 2020 से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय घोषित हुआ। आचार्य रामकरण शर्मा के द्वारा विरचित विश्वविद्यालय के कुलगीत में राष्ट्रिय संस्थान का नाम उल्लिखित है जिसे हमारे वेबसाइट (www.sanskrit.nic.in) में देखा/सुना जा सकता है। अब उसमें केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का नाम भी आना चाहिए और उसमें नवाचारों, नई योजनाओं एवं नई विचारधाराओं का समावेश भी होना चाहिए। अतः पूर्वकुलगीत की भावभूमि को सर्वथा सुरक्षित रखते हुए एक नया कुलगीत सरल, सरस संस्कृत गेय-गीत के रूप में बनाया जाना प्रस्तावित है जो हमारे राष्ट्रगीत के सदृश उदात्त स्वरयुक्त हो और उत्साहवर्धक भी हो। अतः संस्कृत के सभी सम्माननीय एवं प्रतिष्ठित कवि/लेखकों को सादर सूचित किया जाता है कि वे उपरोक्त कुलगीत की पुनः रचना कर आवश्यक ताल-लय के उल्लेख पूर्वक हमें 30 अप्रैल, 2022 तक उपलब्ध करा सकते हैं। चयनित कुलगीत के रचयिता को रु. 25,000/- की सम्मानित मानद राशि प्रदान करने में हमें हर्ष का अनुभव होगा।

B. Biswal 22/04/2022

(प्रो. बनमाली बिश्वाल)

निदेशक (शैक्षिकवृत्त)

वि.द्र. :- सर्वथा परिपूर्ण कुलगीत को वर्ड फाइल से director-academic@csu.co.in में प्रेषित करें